

here that the Government of India is willing to assist the Singapore Government in converting this naval base into a commercial dockyard. If that is so, may I know what are the terms and conditions that the Government of India have in mind to be laid down before the job is undertaken. What I am aiming at is this: are we going to have any commercial advantage? Can you use Singapore base for marketing Indian products for Far-Eastern markets?

**SHRI B. R. BHAGAT:** The Singapore Government has not taken any decision so far. Our view arises only when they come to a decision and consult us.

TALKS WITH UN SECRETARY GENERAL

†

\*305. **SHRI RAMAVATAR SHASTRI:**  
**SHRI YASHPAL SINGH:**  
**SHRI HIMATSINGKA:**

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be please to state:

(a) whether it is a fact that the UN Secretary General visited India during this month; and

(b) if so, the nature of discussions held with him and the outcome thereof?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT):** (a) and (b). The U.N. Secretary General visited India to address the UNCTAD II. His visit provided us with an opportunity of exchanging views with him on the current international situation.

**श्री रामावतार शास्त्री:** मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यहाँ की सरकार के नेताओं ने वियतनाम के मिलसिले में श्री ऊ थांट से बात चीत की थी यदि बात चीत की थी तो क्या उससे इस बात की भी चर्चा हुई थी कि उत्तर वियतनाम समझौता करने के लिये तैयार है लेकिन अमरीकी सरकार आनाकानी कर रही है और मुकर रही है? अगर यह बात सही है तो क्या भारत सरकार वियतनाम के मिलसिले में अपनी पहले की नरम नीति को बदल कर

कड़ा रुख अपनाने को तैयार है क्योंकि वह कभी-कभी अमरीकी साम्राज्यवादियों के सामने घुटने टेक दिया करती है?

**श्री ब० रा० भगत:** उनसे जो बात चीत हुई वह गोपनीय है और मैं उस की तफसील में यहाँ नहीं जाना चाहता मगर वियतनाम के बारे में उन से बात चीत हुई। वियतनाम के बारे में जो हमारी नीति है हम ने उस की खुले तौर से घोषणा की। वह उन्हें मालूम है और उस को पसन्द भी करने हैं।

**श्री रामावतार शास्त्री:** वहाँ की जनता तो अपने तरीके से लड़ रही है और अमरीकी साम्राज्यवादियों के परखचे उड़ा रही है। लेकिन उस से काम चल नहीं रहा है और लड़ाई बढ़ जाने का खतरा है। इसलिये क्या भारत सरकार ऐसे लोगों का सम्मेलन बुलाने के लिये तयार है जो अमरीकी साम्राज्यवादियों के हमले का विरोध कर रहे हैं, ताकि उस सम्मेलन में कोई ऐसी योजना बनाई जाय कि अमरीका को मजबूर किया जाय कि वह अपनी लड़ाई की नीति बन्द करे और वियतनाम की सरकार से, दक्षिणी वियतनाम के नेशनल फ्रंट से बात चीत करे?

**श्री ब० रा० भगत:** भारत सरकार की यह नीति है कि उन की लड़ाई जल्द से जल्द बन्द हो और शान्तिमय तरीके से इस समस्या का हल निकालना जाये। इस के लिये दुनिया की सभी सरकारों से हम सम्पर्क बनाये हुये हैं। सँक्रेटरी जनरल भी जो प्रयास कर रहे हैं उस में हम उन को पूरा सहयोग दे रहे हैं। इस से अधिक कोई दूसरी बात मेरी समझ में अभी नहीं की जा सकती। सम्मेलन बुलाने से तो मैं समझता हूँ कि कोई रास्ता निकलेगा नहीं, बल्कि रास्ता निकलना और मुश्किल हो जायगा।

**SHRI HIMATSINGKA:** May I know whether the Government informed the U.N. Secretary-General that, in view of the massive offensive started by the Viet Cong, there was no possibility of the USA

stopping bombing unless there was an assurance from North Vietnam also not to expand their military strength?

**SHRI B. R. BHAGAT :** We have not communicated anything in those terms. The U.N. Secretary-General knows about the situation, the impact of the recent escalation of conflicts there and about the prospects of peace.

**श्री महाराज सिंह भारती :** आय युद्ध के सम्बन्ध में या विदेशी सम्बन्धों के बारे में जो बात चीत हुई होगी वह गोपनीय होगी, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने आर्थिक कार्यक्रम को लेकर उन से बातें की हैं कि यह जो तय हुआ था कि विकसित देश अपनी अपनी राष्ट्रीय आय का 1 प्रतिशत पिछड़े देशों को देंगे, वहाँ खर्च करेंगे, वह उस को न देकर 1 प्रतिशत से कम दे पाये हैं। साथ ही जो अमीरी और गरीबी की खाई पिछड़े और विकसित देशों के बीच में बढ़ती जा रही है उस के सम्बन्ध में भी सरकार ने उन से बातें की हैं और क्या कोई ठोस कार्यक्रम उन के सामने रखा है ?

**श्री ब० रा० भगत :** इसके बारे में माननीय सदस्य ने अंकटाड सम्मेलन में सैक्रेटरी जनरल की राय देखी होगी और इंडियन डेलिगेशन का जो बयान हुआ उस को भी उन्होंने अखबारों में देखा होगा। अंकटाड में इन बातों पर जितना जोर हम से हो सकता है, हम दे रहे हैं।

**श्री महाराज सिंह भारती :** मंत्री जी ने जवाब दिया है उस में बिल्कुल गोल मोल बात कही गई है कि हम ने अखबारों में पढ़ा होगा, बयान देखा होगा। मैं उनसे जानना चाहता हूँ कि उन से क्या स्पेसिफिकली इस चीज पर बातें की गई हैं ? अगर की गई हैं तो क्या कोई ठोस सुझाव दिया गया है। यह बात क्या है कि बयान देखा होगा या अखबार में पढ़ा होगा।

**श्री ब० रा० भगत :** विकसित देश अपनी आय का 1 प्रतिशत दें जिस से दुनिया के विकास और व्यापार में बढ़ती हो, इस मामले में भारत

सरकार और सैक्रेटरी जनरल दोनों ही की एक राय है कि उन्हें देना चाहिये, यही मैंने कहा। इस के बारे में बयान हो चुका है यही जिन्हें मैंने किया है।

**SHRI R. K. SINHA :** In view of the fact that the people of Viet Nam are fighting a people's war against foreign intervention, and also in view of the fact that there are press reports of mobilisation of tactical nuclear weapons, have the Government of India in consultation with the UN Secretary-General decided upon some initiative so that the South-East Asian theatre does not become the starting point for a world war?

**SHRI B. R. BHAGAT :** It is our policy that there should not be any escalation of war and that a peaceful settlement in Viet Nam should be made possible, and we are doing everything possible including co-operating with the UN Secretary-General in that goal.

**श्री शिवचन्द्र झा :** ऊ थांट यहाँ आए थे और उनसे आपकी बातचीत हुई। बुधवार जो पाकिस्तान में है वहाँ अमरीकी एयर बेस बन रहा है और उस एयर बेस से हमारी एयर एक्टिविटी को एक हजार मील तक वह इंटर-सेप्ट कर सकता है। हमने अमरीका ने एस्प-योजनाज का जाल बिछा कर भारत की डिफेंस को खतरे में डाल दिया है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या भारत ने इस चीज को ऊ थांट के सामने रखा था ? अमरीका ने वहाँ पर जो एयर बेस बनाई है और भारत की सुरक्षा को खतरे में ला कर रख दिया है क्या इस चीज को उनके सामने रखा गया था यदि हां तो उनका क्या जवाब था इसके बारे में ?

**श्री ब० रा० भगत :** इस सिलसिले में उनसे बातचीत नहीं हुई है।

**SHRI AMRIT NAHATA :** The hon. Minister has said just now that everything possible is being done in the direction of prevention of further escalation of the war in Viet Nam. The British Prime Minister has come out with a statement that a nuclear attack in Viet Nam would be lunacy; the Canadian Prime Minister has come out with a statement that it would be madness. What prevents the Government

of India representing the land of Nehru, Gandhi, Mahavira and Buddha from declaring before world opinion that it would be a crime against mankind if there were to be a nuclear attack in Viet Nam?

**SHRI B. R. BHAGAT :** We have said it already; I have myself said in this House that a nuclear attack in Viet Nam would be the most deplorable thing. (*interruptions*)

**SHRI H. N. MUKERJEE :** I am really astonished that Government are trying to evade a direct answer to this question. In view of the fact that from the side of Viet Nam there have been repeated statements that they are ready, on the cessation of acts of war and bombing by America, for negotiations, and since this is being repeated to everybody including representatives of the Government of India, how is it that the Government of India are not taking a serious stand in this matter when all coloured peoples are worried that nuclear weapons and germ warfare and bacteriological warfare have been practised only against our kind of country, the non-white country, and the fear of nuclear warfare is gripping the world to an extent that the Canadian Prime Minister is also making statements, while we keep mum about it and mumble certain words rather apologetic in tone in regard to this matter?

**THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI) :** I am very surprised at the hon. Member's statement. We have stated our case very firmly indeed to all concerned; we have expressed our deep concern and our horror; I do not know what other words I should use I am prepared to use any words which the hon. Member would like on this issue, against the use of nuclear weapons anywhere in the world. We are fully cognizant of the danger which this would pose to our own country and people.

**Mr. SPEAKER :** Shri Sitaram Kesri.

**SHRI JYOTIRMOY BASU :** Will the Prime Minister condemn the action of the Americans in clear terms?

**Mr. SPEAKER :** I had not called the hon. Member but I had called Shri Sitaram Kesri.

**SHRI JYOTIRMOY BASU :** Why are you standing in the way of getting a clear reply?

**Mr. SPEAKER :** I think Shri H. N. Mukerjee and Shri Amrit Nahata had put the question very clearly already. The hon. Member is only repeating what they had said.

**श्री सीता राम केशरी :** संयुक्त राष्ट्र संघ के महामंत्री के आगमन पर क्या आपने अंकटाइ कांफ्रेंस की पृष्ठभूमि में, विकासशील देशों का जो उत्पादन है और विकसित देश उसे लें, कंट्रोल लगाना चाहते हैं, उस पर नियंत्रण करते हैं और इस कारण से हमारा जो उत्पादन है वह वहां जा नहीं पाता है और हमें फौरन एक्सचेंज का अर्जन नहीं होता है, बातचीत की थी? विकासशील देशों का उत्पादन बढ़े और वह विकसित देशों को भेजा जाए ताकि उन्हें विदेशी मुद्रा का अर्जन हो, इस सम्बन्ध में भी बातचीत हुई थी?

**श्री ब० रा० षगत :** इस मामले में तो बात नहीं हुई लेकिन यह मामला तो अंकटाइ कांफ्रेंस में विचाराधीन है और इस पर वहां बातचीत चल रही है।

**श्री कंबर लाल गुप्त :** हमारा देश सब देशों के साथ शान्ति चाहता है और विशेषतः पड़ोसी देशों के साथ। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आपने सैक्रेटरी जनरल को यह बता दिया है कि पाकिस्तान जब से यह ताशकंद एबीमेंट हुआ है उसका वायोलेशन कर रहा है? अगर बताया है तो आपने क्या क्या डिटेल्स दीं और उनका इसके ऊपर क्या रिएक्शन था?

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** इसका कुछ जिक्र हुआ था। उनको हमने अपना दृष्टिकोण बता दिया था। अपने दृष्टिकोण को उनके सामने रख दिया था।

**SHRI KANWAR LAL GUPTA :** I asked what was his reaction.

गोलमोल जवाब से काम नहीं चलेगा। मैंने उनके रिएक्शन के बारे में पूछा है।

**SHRIMATI INDIRA GANDHI :** It is difficult to gauge his reaction or what exactly he said.